पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग उ०प्र०
(राज्यपाल सूचना परिसर)

———

राज्यपाल ने ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के नैक हेतु प्रस्तुतिकरण की समीक्षा की

———

मूल्यांकन के सभी क्राइटेरिया में फोटोग्राफ की पुनरावृत्ति न हो

———

फोटो में प्रदर्शित गतिविधियों का स्पष्ट विवरण कैप्शन में लगाएं

———

एम.ओ.यू. के फोटो और उन पर हुई गतिविधियों के फोटो लगाएं

———

पोस्ट ग्रेजुएट पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को ग्रेजुएशन के स्लोलर्नर विद्यार्थियों के अतिरिक्त शिक्षण से जोड़ें

———

शिक्षक विद्यार्थियों से सम्पर्क और तारतम्य रखें

———

विवरण में प्रत्येक टर्म का फुलफार्म अंकित करें

———

विश्वविद्यालय की बाल पाठशाला में आने वाले बच्चों के अभिभावकों, ग्राम प्रधानों का वर्जन भी जोड़ें, बच्चों को राजभवन भ्रमण कराएं

———

संतृप्त आंगनवाड़ी केन्द्रों में हुए सुधार, परिवर्तन और प्रगति का सर्वे करें और विवरण एस.एस.आर. में लगाएं

—राज्यपाल, श्रीमती आनंदीबेन पटेल

———

लखनऊ : 01 फरवरी, 2024

प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज यहाँ राजभवन में ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा पहली बार नैक ग्रेडिंग के लिए की जा रही तैयारियों के प्रस्तुतिकरण की समीक्षा की। विश्वविद्यालय के

कुलपति प्रो0 एन.बी. सिंह ने राज्यपाल जी से चर्चा करते हुए बताया कि अपेक्षित तैयारियों के साथ विश्वविद्यालय इस माह फरवरी के अंतिम सप्ताह तक नैक के लिए इंस्टीट्यूशनल इन्फारमेशन फार क्वालिटी एसेसमेंट दाखिल कर सकता है, जो कि एस.एस.आर. दाखिल करने से पूर्व की प्रक्रिया है।

राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय के प्रस्तुतिकरण का बिंदुवार अवलोकन करते हुए कहा कि किसी भी क्राइटेरिया में प्रमाण के लिए संलग्न फोटोग्राफ की पुनरावृत्ति न करें। उन्होंने कहा कि फोटो में प्रदर्शित गतिविधि का स्पष्ट विवरण कैप्शन में लिखें। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा किए गए पेटेन्ट की फोटो लगाने और पेटेंट के उपयोग को भी विवरण में प्रदर्शित करने को कहा। इसी क्रम में राज्यपाल जी विश्वविद्यालय द्वारा किए गए एम.ओ.यू. की जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि एम.ओ.यू. हस्ताक्षर करते हुए और बाद में उन पर हुई गतिविधियों को प्रमाण और फोटो के साथ विवरण मे ंदर्शाएं।

राज्यपाल जी ने बैठक में अन्य विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों की अप्रतिम प्रतिभागिता और योगदान की चर्चा भी की। उन्होंने कुलपति तथा नैक टीम के सदस्यों को विश्वविद्यालय की गतिविधियों में विद्यार्थियों की अधिकाधिक प्रतिभागिता कराने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पोस्ट ग्रेजुएट पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को ग्रेजुएशन के स्लोलर्नर विद्यार्थियों के अतिरिक्त शिक्षण कार्य से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को नैक की उपयोगिता बताकर उन्हें भी दायित्व प्रदान करें, शिक्षक विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों से सम्पर्क और तारतम्य रखें उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं और सुझावों को भी सुनें।

प्रस्तुतिकरण के दौरान विभिन्न स्थानों पर शार्ट टर्म में अंकित जानकारी को देखकर राज्यपाल जी ने सभी जानकारी का फुलफार्म अंकित करने को कहा। विश्वविद्यालय द्वारा ग्रामीण और स्लम एरिया के शिक्षा से दूर बच्चों को शिक्षा की

मुख्य धारा में शामिल करने के लिए चलाई जा रही 'बाल पाठशाला' की राज्यपाल जी ने सराहना की। उन्होंने कहा कि पाठशाला में शिक्षा ग्रहण कर रहे बच्चों के अभिभावकों तथा उसके गांव के प्रधानों का वर्जन भी प्रस्तुतिकरण के विवरण में अंकित करें। उन्होंने बाल पाठशाला के बच्चों को राजभवन भ्रमण कराने के लिए भी कहा। इसी क्रम में उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा आंगनवाड़ी किट से संतृप्त किए गए केन्द्रों में हुए सुधार, परिवर्तन और प्रगति पर सर्वे कर उसका विवरण भी एस.एस. आर. में जोड़ने को कहा।

समीक्षा के दौरान राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय की नैक टीम के साथ ग्रामीण और सामाजिक सुधार के अपने विविध अनुभव भी साझा किए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को सामाजिक कार्यों, समस्याओं और आवश्यकताओं से भी परिचित कराएं और उनके व्यक्तित्व को सम्पूर्ण करने में भी भूमिका निभाएं।

राज्यपाल जी ने टीम के सदस्यों को सशकत प्रस्तुतिकरण तैयार करके सुदृढ़ तैयारी के साथ आई.आई.क्यू.ए. दाखिल करने को कहा। उन्होंने टीम से नैक के उच्चतम ग्रेड हेतु मार्गदर्शन का समुचित अनुपालन और तैयारी के लिए निर्देश दिया।

आज सम्पन्न समीक्षा बैठक में विशेष कार्याधिकारी शिक्षा, विश्वविद्यालय की नैक टीम के सभी सदस्य तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

———

संपर्क :
डा0 सीमा गुप्ता
सहायक निदेशक,राजभवन
सम्पर्क सूत्र– 8318116361

राजभवन उत्तर प्रदेश